एस.एस.सी. एवं रेलवे परीक्षा हेतु कंप्यूटर विषय पी.डी.एफ.

इस कंप्यूटर पी.डी.एफ. में, हम आगामी एस.एस.सी. और रेलवे परीक्षा में पूछे जा सकने वाले प्रत्येक महत्वपूर्ण विषय के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। यह कंप्यूटर जागरूकता पी.डी.एफ. सभी एस.एस.सी. और रेलवे परीक्षाओं जैसे एस.एस.सी. सी.जी.एल.,एस.एस.सी. सी.पी.ओ., एस.एस.सी. जी.डी. कॉन्सटेबल, आर.आर.बी./ए.एल.पी. तकनीशियन, आर.आर.बी. ग्रुप डी, आर.पी.एफ. कॉन्सटेबल एवं एस.आई. आदि परीक्षाओं के लिए उपयोगी है।

कंप्यूटर की मूलभूत जानकारी

कंप्यूटर: कंप्यूटर एक अद्भुत मशीन है। यह एच्छिक परिणाम **(आउटपुट)** प्राप्त करने के लिए किसी दिए गए डेटा समूह **(इनपुट)** पर निर्धारित निर्देशों **(प्रोग्राम्स)** के अनुसार क्रिया करती है।

कंप्यूटर के जनक: चार्ल्स बैबेज

एक संपूर्ण कंप्यूटर सिस्टम के चार भाग होते हैं:

➢ **हार्डवेयर:** हार्डवेयर में कंप्यूटर के भौतिक और स्पर्शीय भाग शामिल होते हैं।	➢ **यूज़र (प्रयोगकर्ता):** कंप्यूटर प्रयोगकर्ता को यूज़र कहते हैं।
➢ **सॉफ्टवेयरः** सॉफ्टवेयर जटिल कोडों (प्रोग्राम) से बने वैद्युत निर्देशों का एक समूह होता है जिनके आधार पर कंप्यूटर काम करता है।	➢ **डेटा:** मूल तथ्यों से बनता है, जिसे कंप्यूटर संग्रहित करता है और संख्याओं के रूप में पढ़ता है।

हार्डवेयर:

इनपुट डिवाइस	प्रोसेसिंग डिवाइस	आउटपुट डिवाइस	संग्रहण डिवाइस
कीबोर्ड	मदरबोर्ड	मॉनिटर	मैग्नेटिक डिस्क
माइक्रोफोन	प्रोसेसर	प्रिंटर	ऑप्टिकल डिस्क
माउस	रैम (RAM)	स्पीकर	फ्लैश मैमोरी
वेब कैमरा	रोम (ROM)		मैग्नेटिक टेप
टच स्क्रीन	एस.एम.पी.एस. (SMPS)		
लाइट पेन			

एक वैद्युत मशीन की निम्नलिखित विशेषताएं होती हैं:

- ✓ गति
- ✓ यर्थाथता
- ✓ संग्रहण एवं पुर्नप्राप्ति
- ✓ निरंतर प्रोसेसिंग क्षमता
- ✓ विश्वसनीयता
- ✓ लचीलापन
- ✓ कम कीमत

सॉफ्टवेयर:

Subscribe to our YouTube Channel
Join us on Telegram
Follow us on Instagram
Find us on: facebook
JOIN GROUP 9172872281

Akku - Gyan Tak

THIS IS SPECIAL NOTES

FOR COMPLETE NOTES CONTACT US ON

FOR DAILY PDF AND CURRENT AFFAIRS

CLICK HERE

WHATSAPP : -9172872281

ALL NOTES IS PREPARE UNDER THE GUIDANCE OF -ASHISH SIR & HIS TEAM

TO JOIN FREE WHATSAPP GROUP CLICK ON THE WHATSAPP LOGO OR MESSAGE ON THE GIVEN NO.

यदि आपको किसी भी एग्जाम के इसी प्रकार के COMPLETE नोट्स चाहिए तो आप हमें हमारे सोशल मीडिया के जरिए हमसे कांटेक्ट कर सकते हैं वहां पर आपको अपना नाम और आप किस एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं और आपका माध्यम (हिंदीऔर इंग्लिश) क्या है लिखकर भेजना होगा उसके बाद हम आपको नोट्स प्रोवाइड कर देंगे। आप नीचे दिए गए लिंक पर जाकर आप हम से कांटेक्ट कर सकते हैं या फिर आप हमारे वेबसाइट से बुक्स या नोट्स प्राप्त कर सकते हैं।

CLICK ON THE PDF ICON TO GET NOTES

नोटः-दिए गए LOGO पर क्लिक कर के ज्वाइन करे।

click on AGT LOGO BELOW FOR PAYMENT

WWW

AGT AKKU GYAN TAK

Akku - gyan tak

CLICK HERE | CLICK HERE | CLICK HERE | CLICK HERE | CLICK HERE | CLICK HERE

PDF | Instagram | Telegram | facebook

VISIT OUR WEBSITE FOR COMPLETENOTES

FOR FREE NOTES AND PRACTICE SET & COURSES CLICK HERE

FOR SPECIAL PAID NOTES- CLICK HERE

- हमारे social media platforms को ज्वाइन करेंइसी प्रकार के सभी नोट्स Free & Paid मे मिलेंगे।
- किसी भी exam के नोट्स के लिए हमे अपना नाम और subject name लिखकर भेजे।

COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

यूटिलिटी सॉफ्टवेयर	एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर	सिस्टम सॉफ्टवेयर (ओ.एस.)	
यूटिलिटी टूल्स	टेक्सट	**सिंगल यूज़र**	**मल्टी यूज़र**
कस्टमाइज्ड सॉफ्टवेयर	ग्राफिक्स	DOS	यूनिक्स
	मल्टीमीडिया	मैक-OS	विंडोज़ सर्वर
	भाषा	विंडोज़ XP,7,8.10	
	एकाउंटिंग		

कंप्यूटर हार्डवेयर में निम्नलिखित भाग होते हैं:

1. **सी.पी.यू. (सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट):** सी.पी.यू. को कंप्यूटर का मस्तिष्क माना जाता है। यह सभी प्रकार के डेटा प्रोसेसिंग कार्य जैसे डेटा, माध्यमिक परिणामों और निर्देशों (प्रोग्राम) का संग्रह आदि करता है। यह कंप्यूटर के सभी भागों के कार्य को नियंत्रित करता है।

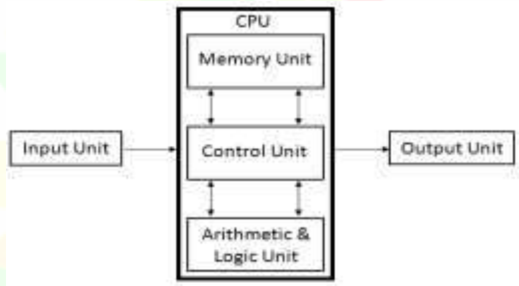

आकृति: विभिन्न हार्डवेयर अवयवों के बीच संबंध

[A] स्वयं सी.पी.यू. में तीन अवयव होते हैं:

- ✓ **अर्थमेटिक लॉजिक यूनिट (ए.एल.यू.):** जब कंट्रोल यूनिट को ऐसे कोई निर्देश दिए जाते हैं जिनमें गणितीय गणनाएं और निर्णय/तर्क शामिल होते हैं, तो यह दूसरे अवयव; अर्थमेटिक लॉजिक यूनिट को निर्देश जारी कर देता है। ए.एल.यू. में रजिस्टर - मैमोरी स्थानों का एक समूह होता है, जो सीधे सीपीयू में बने होते हैं - जिनका प्रयोग वर्तमान निर्देश पर कार्य करने के दौरान डेटा का बनाए रखने के लिए किया जाता है।
- ✓ **रजिस्टर्स:** रजिस्टर्स सीपीयू में सबसे छोटे उच्च गति वाले संग्रहण क्षेत्र होते हैं। सभी डेटा के प्रोसेस होने से पहले उसे रजिस्टर में भेजा जाता है।
- ✓ **कंट्रोल यूनिट:** इस यूनिट में कंप्यूटर के सभी भाग शामिल होते हैं लेकिन इसमें कोई वास्तविक डेटा प्रोसेसिंग कार्य नहीं होता है।

[B] प्राथमिक मैमोरी मुख्यतः दो प्रकार की हैं:

- ➢ **रैंडम एक्सेस मैमोरी (आर.ए.एम.):** रैम सी.पी.यू. की आंतरिक मैमोरी है जो डेटा, प्रोग्राम और प्रोग्राम रिज़ल्ट का संग्रह करती है। यह रीड/राइट मैमोरी है जो मशीन के चालू रहने तक डेटा संग्रहित करती है। मशीन के बंद होते ही, डेटा खत्म हो जाता है।
- ➢ **रैम अस्थायी मैमोरी है,** अर्थात कंप्यूटर के बंद होने अथवा विद्युत आपूर्ति में बाधा आने से रैम में संग्रहित डेटा नष्ट हो जाता है। इसलिए, इसके बचाव के लिए कंप्यूटरों के साथ अक्सर अबाधित ऊर्जा आपूर्ति (यू.पी.एस.) का उपयोग होता है।

रैम मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती हैं:

- ➢ **डायनेमिक रैंडम एक्सेस मैमोरी (DRAM):** अधिकांश पर्सनल कंप्यूटरों में इसी भौतिक स्मृति का प्रयोग किया जाता है। डायनेमिक शब्द का मतलब है कि मैमोरी लगातार रिफ्रेश हो रही है या अपनी जमा सूचनाओं को खो रही है। इस प्रकार की मैमोरी अधिक सस्ती होती है।

JOIN GROUP 9172872281
COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

- **स्टैटिक रैंडम एक्सेस मैमोरी (SRAM):** एक प्रकार की मैमोरी जो तेज और डीरैम की तुलना में अधिक स्थायी है, लेकिन इसके लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है और यह अधिक मंहगी है। यहां स्टैटिक शब्द का अर्थ है कि इसे बार-बार रिफ्रेश करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- **सिंक्रोनस डायनेमिक रैंडम एक्सेस मैमोरी (SDRAM):** एक प्रकार की DRAM जो उच्च क्लॉक स्पीड पर चल सकती है।
- **रीड ओनली मैमोरी (ROM)**: इस प्रकार की मैमोरी को रीड तो किया जा सकता है लेकिन इसे राइट करना (बदलना) संभव नहीं है। इस प्रकार की मैमोरी में कंप्यूटर के निर्माण के दौरान स्थायी रूप से जानकारी संग्रहित की जाती हैं। रोम, में कंप्यूटर को चालू करने के लिए दिशा-निर्देश समाहित होते हैं। इस ऑपरेशन को बूटस्ट्रैप कहा जाता है।

रीड ओनली मैमोरी मुख्यतः तीन प्रकार की होती हैं

- **MROM(मास्कड रोम)**: इस सर्वप्रथम रोम में हार्ड-वायर्ड डिवाइस होती थीं जिसमें पहले से प्रोग्राम किया हुआ डेटा और निर्देशों का सेट होता था। इस तरह की रोम को मास्कड रोम कहा जाता है जो कि सस्ती होती हैं।
- **PROM (प्रोग्रामेबल रीड ओनली मैमोरी):** पी-रोम एक प्रकार की रीड ओनली मैमोरी है जिसे प्रयोगकर्ता द्वारा केवल एक बार ही बदला जा सकता है। प्रयोगकर्ता खाली पी-रोम खरीदता है और किसी PROM प्रोग्राम की मदद से एच्छिक सामग्री डालता है।
- **EPROM (इरेज़ेबल एंड प्रोग्रामेबल रीड ओनली मैमोरी):** EPROM पर 40 मिनट तक पराचुंबकीय प्रकाश डालने से इसके डेटा को मिटाया जा सकता है। प्रायः, एक ईप्रोम इरेज़र यह कार्य करता है।
- **EEPROM (इलेक्ट्रिकली इरेज़ेबल एंड प्रोग्रामेबल रीड ओनली मैमोरी):** EEPROM को वैद्युत विधि से मिटाया और पुनः प्रोग्राम किया जा सकता है। इसे मिटाने और पुनः प्रोग्राम करने में 4 से 10 मिलीसेकण्ड का समय लगता है।

मैमोरी

मैमोरी मानव मस्तिष्क के समान होती है। इसका प्रयोग डेटा और सूचनाओं को संग्रहित करने के लिए किया जाता है। कंप्यूटर मैमोरी कंप्यूटर में एक संग्रहण युक्ति है जिसमें डेटा पर कार्यवाही की जाती है और प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक निर्देशों को संग्रहित किया जाता है। मैमोरी को बड़ी संख्या में छोटे भागों में बांटा जाता है जिन्हें सेल कहा जाता है। प्रत्येक लोकेशन अथवा सेल का एक विशेष पता होता है जिसका मान शून्य से लेकर मैमोरी आकार माइनस वन तक हो सकता है।

<table>
<tr><th colspan="5">मैमोरी</th></tr>
<tr><th colspan="4">प्राथमिक मैमोरी</th><th>द्वितीयक मैमोरी</th></tr>
<tr><td>कैश मैमोरी</td><td colspan="3">मुख्य मैमोरी</td><td rowspan="5">➢ चुंबकीय डिस्क (HDD)
➢ प्रकाशिक डिस्क (CD, DVD,BRD)
➢ फ्लैश मैमोरी (मैमोरी कार्ड, पेन ड्राइव)</td></tr>
<tr><td>रजिस्टर्स</td><td colspan="2">RAM</td><td>ROM</td></tr>
<tr><td></td><td>SRAM</td><td>DRAM</td><td>PROM</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>EPROM</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>EEPROM</td></tr>
</table>

मैमोरी के मुख्यतः तीन प्रकार हैं

Subscribe to our YouTube Channel
Join us on Telegram
Follow us on Instagram
Find us on: facebook
JOIN GROUP 9172872281

- **कैश मैमोरी:** यह एक उच्च गति वाली अर्धचालक मैमोरी है जो आपके सी.पी.यू. की गति को बढ़ा सकती है। यह सी.पी.यू. और मेन मैमोरी के बीच बफर का कार्य करती है।
- **प्राथमिक मैमोरी/द्वितीयक मैमोरी**: प्राथमिक मैमोरी केवल उन्हीं डेटा और निर्देशों का संग्रह करती है जिस पर कंप्यूटर हाल में कार्य कर रहा होता है। इसकी क्षमता सीमित होती है और ऊर्जा आपूर्ति बंद होने पर डेटा चला जाता है।
- **द्वितीयक मैमोरी**: इस मैमोरी को बाह्य मैमोरी अथवा स्थायी मैमोरी कहा जाता है। यह मुख्य मैमोरी की तुलना में धीमी है। इसका प्रयोग मुख्यतः डेटा/ सूचना के स्थायी रूप से संग्रहण के लिए किया जाता है।

2. **द्वितीयक संग्रहण (बाह्य संग्रहण डिवाइस):** फ्लॉपी डिस्कों, हार्ड डिस्क, टेप्स और ऑप्टिकल डिस्क बाह्य संग्रहण डिवाइस के अंतर्गत आते हैं। ये डिवाइसें वातावरणीय स्थितियों (तापमान और आद्रता) के साथ ही चुंबकीय क्षेत्र के प्रति काफी संवेदी होती हैं और इनके साथ बहुत सावधानीपूर्वक व्यवहार किए जाने की आवश्यकता होती है।

- ✓ **फ्लॉपी डिस्कः** फ्लॉपी डिस्क का प्रायः पर्सनल कंप्यूटर में प्रयोग होता है। फ्लॉपी डिस्क पर सूचनाएं संक्रेदित वृत्तों जिन्हें ट्रैक कहते हैं, पर समान रूप से वितरित आयरन ऑक्साइड के कणों में संग्रहित की जाती है।
- ✓ **हार्ड डिस्कः** यह अधिकांश पर्सनल कंप्यूटर के अंदर स्थित चुंबकीय डिस्क है। इसमें आयरन ऑक्साइड से लेपित धातु की समांतर प्लेटे होती हैं, जो धुरी पर घूमती हैं और पूरी इकाई एक बंद चैंबर में रहती है।
- ✓ **मैग्नेटिक टेप्सः** यह प्रायः मायलर से बना प्लास्टिक टेप है जिस पर आयरन ऑक्साइड का लेप होता है, जो इसे राइटिंग, रिटेंशन (मैमोरी), और चुंबकीय रूप से जमा जानकारी को पढ़ने में सक्षम बनाता है। टेप स्टोरेज का सबसे अच्छा प्रयोग आपके अक्सर प्रयोग नहीं होने वाले डेटा के लिए किया जाता है।

3. **उपकरण (पेरीफेरल):** पेरीफेरल वे डिवाइसें हैं जो कंप्यूटर से बाहर से जुड़ी होती हैं। यदि पेरीफेरल डिवाइसें नहीं जुड़ी होती हैं, तो भी कंप्यूटर कार्य कर सकता है, बस उस पेरीफेरल डिवाइस द्वारा किए जाने वाले कार्य नहीं होंगे।

मुख्यतः पेरीफेरल डिवाइसें निम्न प्रकार की होती हैं:

1. **इनपुट डिवाइस (किए जाने वाले कार्य के बारे में बताती हैं):** ये डिवाइसें कंप्यूटर और प्रयोगकर्ता के मध्य संपर्क स्थापित करती हैं। इनपुट डिवाइसें सूचना को कंप्यूटर द्वारा समझ में आने योग्य रूप में बदल देती हैं।

- **कीबोर्ड-** बहुत ही आम और लोकप्रिय इनपुट डिवाइस जो कंप्यूटर में डेटा इनपुट करने में मदद करती है।
- **माउस**- माउस सबसे पंसदीदा प्वाइंटिंग और कर्सर-कंट्रोल डिवाइस है जिसका आकार हथेली जितना होता है और उसके आधार में एक गोल पहिया लगा होता है जो माउस का बटन दबाए जाने पर उसकी गति की पहचान करता है।
- **जॉयस्टिक-** इसका मॉनिटर स्क्रीन पर कर्सर की स्थिति बदलने के लिए प्रयोग होता है। इसका मुख्यतः प्रयोग कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और कंप्यूटर गेम खेलने में किया जाता है।
- **लाइट पेन** - इसका प्रयोग दिखाए गए मेनू आयटम को सिलेक्ट करने या मॉनिटर स्क्रीन पर पिक्चर सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है।
- **ट्रैक बॉल-** नोटबुक और लैपटॉप कंप्यूटर में एक माउस के स्थान पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बॉल होती है जो आधी धंसी होती है और इस बॉल के ऊपर अंगुलियों को घुमाने से प्वांइटर की स्थिति बदलता रहती है।
- **स्कैनर**- स्कैनर से आप किसी छपी सामग्री को कंप्यूटर में उपयोग हो सकने वाले माध्यम में बदल सकते हैं।
- **डिजिटाइज़र**- यह एनालॉग सूचनाओं को डिजिटल रूप में बदलती है।
- **माइक्रोफोन-**माइक्रोफोन ध्वनि को डिजिटल रूप में सुरक्षित करने वाली डिवाइस है।
- **चुंबकीय इंक कार्ड रीडर (MICR)-** चुंबकीय इंक कार्ड रीडर इनपुट डिवाइस का प्रयोग बैंकों में बहुत अधिक संख्या में चेकों के निस्तारण में होता है।
- **ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर (OCR)-** ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर प्रत्येक कैरेक्टर को प्रकाशीय रूप से स्कैन करता है और उसे मशीन द्वारा पढ़े जा सकने वाले माध्यम

JOIN GROUP 9172872281

में बदलकर उस सूचना को कंप्यूटर मैमोरी में संगृहित करता है।

- **बार कोड रीडर-** यह एक डिवाइस है जिसका उपयोग बार कोडेड डेटा (प्रकाश की गहरी और हल्की रेखाओं में संग्रहित डेटा) को पढ़ने के लिए किया जाता है। बार कोडेड डेटा का प्रायः उपयोग सामानों और किताबों पर संख्या लिखने के लिए किया जाता है।
- **ऑप्टिकल मार्क रीडर (OMR)-** एक विशेष प्रकार का ऑप्टिकल रीडर जिसका प्रयोग पेन अथवा पेंसिल की मदद से बनाए गए मार्क को पढ़ने के लिए होता है।

2. आउटपुट डिवाइसें (कंप्यूटर द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित करती हैं): आउटपुट डिवाइस कंप्यूटर के आउटपुट को प्रयोगकर्ता की समझ योग्य आउटपुट में बदलता है।

मॉनिटर्स: मॉनिटर्स को प्रायः विज़ुअल डिस्पले यूनिट (VDU) कहा जाता है और यह कंप्यूटर की मुख्य आउटपुट डिवाइस है। यह आयताकार रूप में व्यवस्थित छोटी बिंदुओं (पिक्सल) को मिलाकर छवियां बनाती हैं। छवि की शार्पनेस उसके पिक्सल की संख्या पर निर्भर करती है।

मॉनिटर द्वारा प्रयोग की जाने वाली दृश्य स्क्रीन दो प्रकार की हैं।

- **कैथोड किरण ट्यूब (CRT):** CRT डिस्प्ले छोटी-छोटी तस्वीरों से मिलकर बनती हैं जिन्हें हम पिक्सल कहते हैं। पिक्लस जितना छोटा होगा, छवि की गुणवत्ता और रिज़ॉल्यूशन उतना ही अधिक अच्छा होगा।
- **फ्लैट पैनल डिस्पले:** फ्लैट पैनल डिसप्ले एक प्रकार की वीडियो डिवाइस की श्रेणी है जिसका आकार, भार और ऊर्जा आवश्यकता सीआरटी मॉनिटर की तुलना में कम होती है।

प्रिंटर: प्रिंटर एक आउटपुट डिवाइस है, जिसका प्रयोग पेपर पर सूचनाएं छापने के लिए किया जाता है।

- **इंपैक्ट प्रिंटर**: इंपैक्ट प्रिंटर पेपर से लगे हुए रिबन पर कैरेक्टर को मारकर सूचना प्रिंट करते हैं।
- **नॉन-इंपैक्ट प्रिंटर**: नॉन-इंपैक्ट प्रिंटर रिबन के उपयोग के बिना कैरेक्टर प्रिंट करते हैं। ये प्रिंटर एक समय में पूरा पेज प्रिंट कर सकते हैं इसलिए इन्हें पेज प्रिंटर, लेज़र प्रिंटर और इंकजेट प्रिंटर कहते हैं।

नोट:

- ✓ **डेटा**: डेटा को आप तथ्यों, अवधारणाओं और निर्देशों के एक व्यवस्थित रूप में प्रदर्शन से समझ सकते हैं जो मानव और इलेक्ट्रॉनिक मशीन दोनों के मध्य संवाद करने, व्याख्या करने और प्रोसेस करने के लिए उपयुक्त होता है।
- ✓ **सूचना:-** सूचना एक व्यवस्थित और गोपनीय डेटा होती है जिसका किसी विशेष प्राप्तकर्ता के लिए एक खास अर्थ होता है। इनफॉरमेशन एक प्रकार का प्रोसेस्ड डेटा है जिस पर एक्शन निर्धारित होते हैं।
- ✓ **डेटा प्रोसेसिंग साइकिल:** डेटा प्रोसेसिंग का अर्थ लोगों अथवा मशीनों द्वारा विशेष उद्देश्य से डेटा की उपयोगिता और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए डेटा को पुनः क्रम से लगाना है। डेटा प्रोसेसिंग में मूलभूत चरण इनपुट, प्रोसेसिंग और आउटपुट होता है।

  डेटा प्रोसेसिंग साइकिल में तीन चरण शामिल होते हैं।
- ✓ **इनपुट** -इनपुट डेटा को प्रोसेसिंग के लिए सुविधाजनक रूप में तैयार किया जाता है। यह रूप प्रोसेसिंस मशीन पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, जब इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर का प्रयोग होता है, तो इनपुट डेटा को कई प्रकार के इनपुट माध्यम में रिकॉर्ड किया जा सकता है, जैसे मैग्नेटिक डिस्क, टेप्स इत्यादि।
- ✓ **प्रोसेसिंग** - इस चरण में, इनपुट डेटा को अधिक उपयोगी रूप में डेटा बनाने के लिए बदला जाता है। उदाहरण के लिए, भुगतान चेकों की टाइम कार्ड्स से गणना की जा सकती है, अथवा किसी महीने की बिक्री का सार बिक्री ऑर्डर से निकाला जा सकता है।
- ✓ **आउटपुट** - जारी प्रोसेसिंग चरणों के परिणाम एकत्र कर लिए जाते हैं। आउटपुट डेटा का एक विशेष रूप डेटा के प्रयोग पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, आउटपुट डेटा कर्मचारियों के लिए भुगतान चेक हो सकता है।

लैंग्वेज प्रोसेसर्स (Language Processors):

- ✓ **असेंबलर (Assembler):** यह लैंग्वेज प्रोसेसर्स असेंबली लैंग्वेज में लिखे गए प्रोग्राम को मशीन लैंग्वेज में बदल देता है।

JOIN GROUP 9172872281

- ✓ **इंटरप्रिटर (Interpreter):** यह लैंग्वेज प्रोसेसर्स एक उच्च स्तरीय भाषा (High level language - HLL) प्रोग्राम को पंक्ति दर पंक्ति मशीनी भाषा में बदल देता है।
- ✓ **कंपाइलर (Complier):-**यह भी HLL प्रोग्राम को मशीन भाषा में बदल देता है लेकिन रूपांतरण विधि अलग होती है। यह पूरे एच.एल.एल. प्रोग्राम को एक बार में बदल देता है, और लाइन नंबर्स के साथ पूरे प्रोग्राम की त्रुटियों के बारे में बताता है।

कंप्यूटर का वर्गीकरण:

कंप्यूटर को उनकी गति और गणना क्षमता के आधार पर बांटा जा सकता है:

क्रम संख्या	प्रकार	वर्गीकरण
1	**पी.सी. (पर्सनल कंप्यूटर)**	यह एकल प्रयोगकर्ता कंप्यूटर सिस्टम है जिसमें औसत क्षमता वाला माइक्रोप्रोसेसर लगा होता है।
2	**वर्कस्टेशन**	यह भी एक एकल प्रयोगकर्ता कंप्यूटर सिस्टम है जो निजी कंप्यूटर के समान होता है लेकिन इसकी माइक्रोप्रोसेसर क्षमता अधिक होती है।
3	**मिनी कंप्यूटर**	यह एक बहु-प्रयोगकर्ता सिस्टम है जो एक साथ कई सौ प्रयोगकर्ताओं की मदद कर सकता है। सॉफ्टवेयर तकनीक मिनी कंप्यूटरों से अलग होती है।
4	**मेन फ्रेम**	यह एक मल्टी-यूज़र कंप्यूटर सिस्टम है जो एक साथ कई सौ प्रयोगकर्ताओं की मदद कर सकता है। सॉफ्टवेयर तकनीक मिनी कंप्यूटर से भिन्न होती है।
5	**सुपर कंप्यूटर**	यह एक बहुत तेज कंप्यूटर है जो प्रति सेकण्ड कई सौ मिलियन गणनाएं कर सकता है।

निम्नलिखित मेन मैमोरी स्टोरेज इकाईयाँ हैं:

क्रमांक	इकाई	विवरण
1	**बिट(बाइनरी डिजिट)**	एक बाइनरी अंक किसी वैद्युत परिपथ की सक्रिय अथवा निष्क्रिय स्थिति को क्रमशः 1 और 0 से प्रदर्शित करता है।
2	**निबल (Nibble)**	4 बिट के एक समूह को एक निबल कहते हैं।
3	**बाइट**	8 बिट के एक समूह को **एक बाइट** कहते हैं। एक बाइट एक सबसे छोटी इकाई है जिससे डेटा आइटम अथवा कैरेक्टर को प्रदर्शित करते हैं। (1 बाइट = 8 बिट)
4	**वर्ड**	बाइट के समान, कंप्यूटर शब्द निश्चित बिट्स संख्या का एक समूह होता है जिसे एक यूनिट के रूप में आगे बढ़ाया जाता है जो कंप्यूटर के प्रकार पर भिन्न हो सकता है लेकिन प्रत्येक कंप्यूटर के लिए निश्चित होता है। कंप्यूटर शब्द की लंबाई को वर्ड साइज़ कहा जाता है जो 96 बिट्स तक लंबी हो सकती है। एक कंप्यूटर कंप्यूटर वर्ड्स के रूप में सूचनाओं को संगृहित करता है।

कुछ उच्च संग्रहण यूनिट निम्नलिखित हैं:

क्रमांक	यूनिट	विवरण
1	**किलोबाइट (KB)**	1 KB = 1024 बाइट्स
2	**मेगाबाइट (MB)**	1 MB = 1024 KB
3	**गीगाबाइट (GB)**	1 GB = 1024 MB
4	**टेराबाइट (TB**	1 TB = 1024 GB
5.	**पेटाबाइट (PB)**	1 PB = 1024 TB

Subscribe to our YouTube Channel
Follow us on Instagram
Find us on: facebook
JOIN GROUP 9172872281
COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

सॉफ्टवेयर

सॉफ्टवेयर: सॉफ्टवेयर को प्रोग्रामों का समूह कहते हैं जो किसी कंप्यूटर सिस्टम के कार्यों को नियंत्रित करता है और हार्डवेयर अवयवों द्वारा कार्य सम्पन्न कराता है। **सॉफ्टवेयर दो प्रकार के होते हैं**

- **सिस्टम सॉफ्टवेयर**: सिस्टम सॉफ्टवेयर प्रोग्रामों का एक समूह है जिन्हें स्वयं कंप्यूटर को चलाने, नियंत्रित करने, प्रोसेसिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए बनाया जाता है। सिस्टम सॉफ्टवेयर को सामान्यतः कंप्यूटर निर्माता कंपनियों द्वारा बनाया जाता है। उदाहरणः ऑपरेटिंग सिस्टम, कंपाइलर, इंटरप्रिटर, असेंबलर आदि।
- **एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर:** यह किसी खास एप्लीकेशन को चलाने के लिए आवश्यक प्रोग्रामों का समूह होता है।

कंप्यूटर की पांच पीढ़ियाँ निम्नलिखित हैं:

क्रमांक	पीढ़ी एवं विवरण
1	पहली पीढ़ी (1946-1959) **वैक्यूम ट्यूब** आधारित
2	दूसरी पीढ़ी (1959-1965) **ट्रांजिस्टर** आधारित
3	तीसरी पीढ़ी (1965-1971) **इंटीग्रेटेड परिपथ** आधारित
4	चौथी पीढ़ी (1971-1980) **वी.एल.एस.आई. माइक्रोप्रोसेसर्स** आधारित
5	पांचवी पीढ़ी (1980-अब तक) **यू.एल.एस.आई. माइक्रोप्रोसेसर्स** आधारित

बूट: कंप्यूटर के शुरू होने पर, सबसे पहले ऑपरेटिंग सिस्टम लोड होता है (क्योंकि सभी अन्य प्रोग्रामों के संचालन के लिए यह आवश्यक है), इस प्रक्रिया को बूटिंग कहते हैं।

कोल्ड बूट: - किसी बंद कंप्यूटर को चालू करना।

वार्म बूट: - किसी पहले से चालू कंप्यूटर को रिसेट करना।

मदरबोर्ड: मदरबोर्ड किसी कंप्यूटर के सभी भागों को एक साथ एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ने का काम करता है। एक मदरबोर्ड में सी.पी.यू. मैमोरी, हार्ड ड्राइव, ऑप्टिकल ड्राइव, वीडियो कार्ड, साउंड कार्ड और बाकि पोर्ट एवं एक्सपैंशन कार्ड्स को सीधे अथवा केबल के जरिए जोड़ जाता है। इसे कंप्यूटर की रीढ़ माना जा सकता है।

संयुक्त परिपथ: इसमें AND, OR, NOT, NAND, NOR गेट होते हैं। विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न प्रकार के संयुक्त परिपथों का प्रयोग किया जाता है।

मल्टीप्लेक्सर:- इसमें मल्टीपल इनपुट और एक सिंगल आउटपुट होता है। मल्टीप्लेक्सर विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं जैसे 4 × 1 MUX,8×1 MUX,16×1 MUX आदि।

डी-मल्टीप्लेक्सर:- यह मल्टीप्लेक्सर के विपरीत कार्य करता है। इसमें सिंगल इनपुट लाइन होती है और आउटपुट मल्टीपल होता है। $n \times 2^N$.

डिकोडर (Decoder):- इसका प्रयोग किसी एक कोड सिस्टम को दूसरे कोड सिस्टम जैसे बाइनरी को ऑक्टल में अथवा बाइनरी को हेक्साडेसिमल डिजिट में बदलने के लिए किया जाता है।

एडर (Adder):- एडर का प्रयोग बिट्स को जोड़ने के लिए किया जाता है। एडर दो प्रकार का होता हैः हाफ एडर और फुल एडर। हाफ एडर का प्रयोग दो बिट्स को जोड़ने और फुल एडर का प्रयोग तीन बिट्स को जोड़ने के लिए किया जाता है।

इनकोडर (Encoder) : यह डिकोडर के विपरीत कार्य करता है।

सॉफ्टवेयर श्रेणी

फ्रीवेयर (Freeware): सॉफ्टवेयर जो पूर्णतः निशुल्क होते हैं। इस सॉफ्टवेयर के निर्माता सरकारी संस्थान जैसे विश्वविद्यालय अथवा डेवलेपर्स होते हैं जो निजी हित अथवा विज्ञापन अथवा निजी कंपनी डंपिंग उद्देश्य से ऐसे सॉफ्टवेयर बनाते हैं।

शेयरवेयर (Shareware): शेयरवेयर शुरूआत में निशुल्क होते हैं लेकिन कुछ समय बाद निर्माता प्रयोगकर्ता से उस सॉफ्टवेयर के प्रयोग हेतु भुगतान करने अथवा प्रयोग बंद करने के लिए कहता है। अथवा सॉफ्टवेयर के दो संस्करण होते हैं, पहला निशुक्ल जिसमें प्रोडक्ट की

JOIN GROUP 9172872281
COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

सभी सेवाएं नहीं मिलती हैं और उसके विज्ञापन हो सकते हैं और दूसरा पूर्ण सेवाओं और विज्ञापन रहित प्रोडक्ट जिसके लिए व्यक्ति को सॉफ्टवेयर खरीदना होता है।

वाणिज्य (Commercial): सॉफ्टवेयर जिसके लिए प्रयोगकर्ता को इस्तेमाल के लिए लाइसेंस खरीदना होता है। प्रमुख उदाहरण हैं माइक्रोसॉफ्ट विंडोज़ ऑपरेटिंग सिस्टम और माइक्रोसॉफ्ट वर्ड आदि।

निजी (Private): सॉफ्टवेयर जिसे प्रयोगकर्ता की खास जरूरतों हेतु भुगतान देकर बनाया जाता है। जिसे केवल वह ग्राहक ही उपयोग कर सकता है।

ओपन सॉफ्टवेयर (Open Software): सॉफ्टवेयर जिसे किसी भी प्रयोगकर्ता द्वारा किन्हीं निश्चित परिस्थितियों के तहत ही बदला जा सकता है। ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर फ्रीवेयर भी होते हैं।

प्रोप्राइटरी (Proprietary): सॉफ्टवेयर जिनमें बदलाव करने की स्पष्ट कानूनन रोक होती है और जो अपने स्त्रोत को देखने और बदलने के लिए अन्य डेवलेपर्स को तकनीकी रूप से रोकते हैं।

नेटवर्किंग (Networking)

नेटवर्क (Network): कंप्यूटर नेटवर्क का अर्थ अंतर्संबंधित स्वचालित सिस्टम है जो सूचना के प्रसार को अनुमति देते हैं

भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण:

- **लोकल एरिया नेटवर्क (LAN):** एक लोकल एरिया नेटवर्क तुलनात्मक रूप से छोटा और 10 कि.मी. के क्षेत्र में फैला नेटवर्क है।
- **मेट्रोपोलियन एरिया नेटवर्क (MAN)** : मैन 50 कि.मी. के क्षेत्रफल में फैला होता है और एक कैंपस अथवा छोटे भौगोलिक क्षेत्र के अंतर्गत कनेक्टेविटी प्रदान करता है।
- **वाइड एरिया नेटवर्क (WAN):** वाइड एरिया नेटवर्क एक समूह संचार तकनीक है, जिसमें दूरी की बाध्यता नहीं होती है।

नेटवर्क के प्रकार

1. **प्वांइट टू प्वांइट नेटवर्क**: जब किसी पैकेट को एक रूटर से दूसरे माध्यमिक रूटर को भेजा जाता है, तो पूरा पैकेट प्रत्येक इंटरमीडिएट रूटर में जमा हो जाता है, और वहां तक आउटपुट लाइन के खाली होने तक बना रहता है और फिर भेज दिया जाता है। इस सिद्धांत का प्रयोग करने वाला सबनेट प्वाइंट टू प्वाइंट अथवा पैकेट स्विच्ड नेटवर्क कहलाता है।

प्वाइंट टू प्वाइंट सबनेट के लिए टोपोलॉजी

- **स्टार (Star)**: प्रत्येक डिवाइस का एक समर्पित प्वाइंट टू प्वाइंट लिंक होता है, जो केवल एक केंद्रीय नियंत्रक से जुड़ा होता है, जिसे हब कहा जाता है।
- **ट्री (Tree):** ट्री टोपोलॉजी स्टार टोपोलॉजी का एक रूप होता है।
- **रिंग (Ring)**: प्रत्येक डिवाइस का एक समर्पित प्वाइंट टू प्वाइंट लाइन कनफिगरेशन केवल दो डिवाइसों के साथ एक तरफ जुड़ा होता है।
- **बस (Bus):** नेटवर्क में सभी डिवाइसों को जोड़ने के लिए एक लंबी केबल बैकबोन के रूप में कार्य करती है।

2. **ब्रॉडकास्ट नेटवर्क:** ब्रॉडकास्ट नेटवर्क में एक एकल संचार चैनल होता है जिसे नेटवर्क पर सभी मशीनों के साथ साझा किया जाता है।

संचारण माध्यम (Transmission Media)

- **नेटवर्क केबल:** नेटवर्क केबल का प्रयोग कंप्यूटर को जोड़ने के लिए किया जाता है। सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाली केबल कैटेगरी 5 केबल RJ-45 है।
- **डिस्ट्रिब्यूटर्सः** एक कंप्यूटर दूसरे कंप्यूटर से एक सीरियल पोर्ट के माध्यम से जोड़ा जा सकता है लेकिन यदि हमें एक नेटवर्क बनाने के लिए कई कंप्यूटरों को

JOIN GROUP 9172872281

आपस में जोड़ना हो, तो यह सीरियल कनेक्शन काम नहीं करेगा। इसके लिए एक केन्द्रीय बॉडी की जरूरत होती है जिससे दूसरे कंप्यूटर, प्रिंटर्स, स्कैनर्स आदि जोड़े जा सकते हों, और फिर इस बॉडी नेटवर्क ट्रैफिक का प्रबंध एवं वितरण करेगी।

- **रिपीटर्स:** रिपीटर्स एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो सिग्नल प्राप्त करती है औप उसे बाधा के दूसरी तरफ या उच्च स्तर स्त्रोत की तरफ संचारित करती है, जिससे सिग्नल लंबी दूरी तय कर सकें।
- **ब्रिज:** ब्रिज किसी लोकल एरिया नेटवर्क को समान प्रोटोकॉल (जैसे ईथरनेट अथवा टोकन रिंग) वाले दूसरे लोकल एरिया नेटवर्क से जोड़ती है।
- **राउटर**: राउटर एक डिवाइस है जो नेटवर्क में डाटा पैकेट्स को संचारित करती है। एक राउटर कम से कम दो नेटवर्क से जुड़ा होता है, सामान्यतः दो लैन, अथवा वैन या फिर किसी लैन और अपने आई.एस.पी. नेटवर्क के साथ। राउटर गेटवे जहां दो या अधिक नेटवर्क जुड़ते हैं, स्थित होते हैं।
- **इंटर्नल नेटवर्क केबल**: नेटवर्क कार्ड किसी कंप्यूटर का अनिवार्य भाग है जिसके बिना कंप्यूटर को नेटवर्क से जोड़ना असंभव है। इसे आप नेटवर्क एडाप्टर अथवा नेटवर्क इंटरफेस कार्ड (NIC) भी कहते हैं। कई ब्रांडेड कंप्यूटर में पहले से इंस्टॉल्ड नेटवर्क कार्ड आता है। नेटवर्क कार्ड दो प्रकार के होते हैं: बाहरी नेटवर्क कार्ड और आंतरिक नेटवर्क कार्ड।
- **बाह्य नेटवर्क कार्ड**: बाहरी नेटवर्क कार्ड के दो प्रकार हैं: वायरलैस और यू.एस.बी. आधारित। वायरलैस नेटवर्क कार्ड को मदरबोर्ड में डाला जाता है और इसमें नेटवर्क से जुड़ने के लिए किसी नेटवर्क केबल की जरूरत नहीं होती है।
- **यूनिवर्सल सीरियल बस (USB):** यूएसबी कार्ड प्रयोग करने में आसान होते हैं और यूएसबी पोर्ट के माध्यम से जुड़े होते हैं। कंप्यूटर अपने आप यूएसबी कार्ड की पहचान कर लेता है और अपने आप ही यूएसबी नेटवर्क कार्ड को जोड़ने के लिए आवश्यक ड्राइवर आदि को इंस्टॉल कर लेता है।
- **मॉडेम (मॉड्यूलेटर-डी-मॉड्यूलेटर)**: मॉडेम एक डिवाइस है जो कंप्यूटर से जुड़ी होती है और डिजिटल सिग्नलों को एनालॉग सिग्नलों तथा एनालॉग को डिजिटल सिग्नलों में बदलती है।

ऑपरेटिंग सिस्टम (OS):

एक ऑपरेटिंग सिस्टम एक प्रोग्राम होता है जो प्रयोगकर्ता और हार्डवेयर के मध्य एक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है।

MS Windows

एम.एस. विंडोज़ एक जी.यू.आई. आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम है। विंडोज़ ऑपरेटिंग सिस्टम में कई एप्लीकेशन को अलग-अलग विंडोज़ में एक साथ चलाया जा सकता है।

- **एम.एस. विंडोज़** में स्क्रीन जिसमें आइकन्स, विंडोज़ आदि दिखाई देते हैं, को **डेस्कटॉप** कहते हैं।
- एक **आइकन** एक ग्राफिक चिह्न होता है जो विंडोज़ के अवयवों जैसे फाइल, फोल्डर अथवा **शॉर्टकट** आदि को प्रदर्शित करता है।
- ऑपरेटिंग सिस्टम फाइल का कंप्यूटर की मैमोरी में लोड होने को **बूट अप** कहते हैं।
- **टास्कबार** एक बार है, जो प्रायः कंप्यूटर स्क्रीन के निचले भाग में होता है।
- **My Computer** किसी सिंगल फोल्डर अथवा ड्राइव में मौजूद सामग्री को देखने में सहायता करता है।
- **विंडोज़ एक्सप्लोरर (Windows Explorer):** आपके सिस्टम में मौजूद चीज़ों को देखने का एक दूसरा तरीका है। विंडोज़ एक्सप्लोरर एक विशेष क्रम में चीज़ों को दिखाता है।
- **फाइल (File):** डिस्क पर संग्रहित एक प्रोग्राम अथवा डॉक्यूमेंट है।
- **टूलबार (Toolbar):** सामान्य कार्य करने के लिए दबाए जाने वाले बटनों का एक समूह है।
- फोल्डर (Folder) वह स्थान है जिसमें आप कोई फाइल अथवा दूसरे फोल्डर को संग्रहित कर सकते हैं।
- एक नया फोल्डर बनाने के लिए, **File–New–Folder** कमांड को My Computer Windows में क्लिक करें।

JOIN GROUP 9172872281

COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

- फाइल्स और फोल्डर्स देखने के लिए, **Start---Find---Files** अथवा फोल्डर्स कमांड पर क्लिक करें।
- किसी फाइल या फोल्डर का शॉर्टकट बनाने के लिए, सबसे पहले उस फाइल या फोल्डर को सिलेक्ट करें, फिर फाइल के आइकन को माउस के दाएं बटन से अपने एच्छिक स्थान पर उस आइकन को रखें जहां आप शॉर्टकट बनाना चाहते हैं।
- कंप्यूटर को बंद (**Shutdown**) करने के लिए, Start–Shut Down कमांड पर क्लिक कर सकते हैं।

MS Word

- ✓ वर्ड प्रोसेसर एक पैकेज है जो व्यवस्थित एवं त्रुटिमुक्त शाब्दिक दस्तावेजों को तैयार करता है।
- ✓ वर्ड प्रोसेसर्स की बहुत ही उपयोगी खूबियां हैं: गति, शक्तिशाली एडिटिंग एवं फॉर्मेटिंग गुण, स्थायी संग्रहण, ग्राफिक्स, ऑब्जेक्ट लिंकिंग और एमबेडिंग, स्पैल चेक और मेल मर्ज आदि।
- ✓ वर्ड प्रोसेसर्स स्वतः ही छपे अक्षरों को दाएं और बाएं किनारे पर सुव्यवस्थित कर देता है। इस गुण को Word Wrapping कहते हैं।
- ✓ किनारे (Margins) चार प्रकार के हो सकते हैः दायां, बायां, ऊपर और नीचे आदि।
- ✓ टेक्सट के किनारे और पेज के किनारे की बीच की दूरी को इनडेंट (Indent) कहते हैं। इनडेंट धनात्मक, ऋणात्मक और हैंगिंग इनडेंट हो सकते हैं।
- ✓ टेक्सट लेआउट
- ✓ वर्ड में, पैराग्राफ को Format Menu के Paragraph ऑप्शन से फॉर्मेट किया जा सकता है और Format Menu के Border and Shading Option से बॉर्डर डाला जा सकता है।
- ✓ वर्ड में पेज फॉर्मेटिंग को File मेनू के Page Setup ऑप्शन से नियंत्रित किया जा सकता है। Header और Footer को View मेनू के Header and Footer ऑप्शन का प्रयोग करके बनाया और बदला जा सकता है।
- ✓ वर्ड में, स्टैंडर्ड टूलबार के Print बटन से अथवा File मेनू ऑप्शन में Print पर जाकर किसी डॉक्यूमेंट को प्रिंट कर सकते हैं। वर्ड में Help मेनू में जाकर आप सहायता प्राप्त कर सकते हैं।
- ✓ वर्ड में स्पैलिंग और ग्रामर को, Tool मेनू में Spelling and Grammar ऑप्शन के जरिए देख सकते हैं।
- ✓ वर्ड का Autocorrect गुण छोटी स्ट्रिंग को लंबी स्ट्रिंग में बदलता है। आप Tool मेनू में Autocorrect कमांड पर क्लिक करके स्वयं ऑटोकरेक्ट एंट्रीज़ कर सकते हैं।
- ✓ एक वर्ड डॉक्यूमेंट में टेबल डालने के लिए स्टैंडर्ड टूलबार के Table बटन का प्रयोग करते हैं और टेबल ड्रॉप मेनू से बदलाव ला सकते हैं।
- ✓ एम.एस. वर्ड में, mail merge में मर्ज डॉक्यूमेंट बनाने के लिए दो फाइल्स - मुख्य डॉक्यूमेंट और डेटा सोर्स का उपयोग होता है। मेन डॉक्यूमेंट और डेटा सोर्स को Tool मेनू के Mail Merge ऑप्शन के जरिए Mail Merge से नियंत्रित कर सकते हैं।

शॉर्टकट्स (Shortcuts)

Shortcuts	विवरण
Ctrl+W	सक्रिय विंडो/डॉक्यूमेंट को बंद करना
Ctrl+Z	किसी एक्शन को स्थगित करना
Ctrl+Y	पिछले एक्शन को वापिस लेना अथवा दोहराना
Ctrl+S	किसी दस्तावेज को सुरक्षित करना
Ctrl+P	किसी दस्तावेज को प्रिंट करना
Ctrl+K	हाइपरलिंक डालना
Alt+Right.	एक पेज आगे जाना

JOIN GROUP 9172872281

Ctrl+C	ऑफिस क्लिपबोर्ड में टेक्सट और ग्राफिक्स को कॉपी करना
Ctrl+V	ऑफिस क्लिपबोर्ड में हाल में जोड़ी गई चीजों को पेस्ट करना
Ctrl+Shift+A	सभी अक्षरों को कैपिटल बनाना
Ctrl+B	बोल्ड फॉर्मेटिंग डालना अथवा हटाना
Ctrl+I	इटैलिक फॉर्मेटिंग डालना अथवा हटाना
Ctrl+=	सबस्क्रिप्ट फॉर्मेटिंग (ऑटोमेटिक स्पेसिंग) डालना
F1	Help Window खोलना
F4	आखिरी एक्शन को दोहराना (Word 2000+)
F5	माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में Find, Replace और Go To विंडो को खोलना
F7	चयनित टेक्सट अथवा दस्तावेज की स्पैलिंग और व्याकरण शुद्धि को जांचना
F12	Save As

कुछ फाइल के नाम और उनके एक्सटेंशन निम्नलिखित हैं:

फाइल का प्रकार	**फाइल नाम और एक्सटेंशन**
नोटपैड	Type.txt
पेंटब्रुश	Painting.bmp
वर्ड	Document.doc
एक्सेल	Book.xls
पावरप्वाइंट	Presentation.ppt
डेटाबेस	Db1.mdb
एक्ज़यूटेबल	Game.exe

MS Exel

एक **स्प्रेडशीट** वह सॉफ्टवेयर टूल है जो संख्याओं के सेट को दर्ज करने, गणना करने, व्यवस्थित करने और विश्लेषण करने की स्वीकृति देता है।

- ✓ एक **वर्कशीट** क्षैतिज पंक्तियों और लंबवत स्तंभों से बना सेलों का एक ग्रिड है।
- ✓ एक वर्कबुक वर्कशीट का समूह है।
- ✓ एक वर्कशीट में तीन प्रकार के डेटा दर्ज किए जा सकते हैं। (i) **number** (ii) **Text** (iii) **Formulas**
- ✓ सेल को तीन तरीकों से व्यक्त किया जा सकता है (i) **relative** (ii) **absolute** (iii) **mixed**
- ✓ एक सेल को सेल के कंटेंट को ओवरराइटिंग या आंशिक रूप से संशोधित करके संपादित किया जा सकता है।
- ✓ माउस या कीबोर्ड का उपयोग करके एक **रेंज** का चयन किया जा सकता है।
- ✓ एक रेंज को या तो **copy** और **paste** ऑपरेशन या ड्रैगिंग फिल के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।
- ✓ एक रेंज को **copy** और **paste** ऑपरेशन या रेंज बॉर्डर खींचकर स्थानांतरित किया जा सकता है।
- ✓ एक रेंज को **Edit--Clear** कमांड के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है।
- ✓ वर्कशीट से सबकुछ मिटाने के लिए, वर्कशीट में सभी सेलों का चयन करें और फिर **Edit–Clear–All** का उपयोग करें।
- ✓ एक वर्कबुक को सुरक्षित (सेव) करने के लिए **File- Save** कमांड का उपयोग करें।

JOIN GROUP
9172872281

COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

- ✓ वर्कबुक खोलने के लिए **File–Open** कमांड का उपयोग करें।
- ✓ एक वर्कशीट में सेल, रो (पंक्ति), कॉलम इंसर्ट करने के लिए, क्रमश: **Insert---Cells----,Insert-----Rows** या **Insert-----Column** कमांड का उपयोग करें।
- ✓ डेटा की सामान्य व्यवस्था को फॉर्मेटिंग के रूप में जाना जाता है।
- ✓ फॉर्मेटिंग वास्तविक सेल के मान को नहीं परिवर्तित करता है बल्कि केवल स्वरूप (appearance) बदलता है।
- ✓ MS-Excel में फॉर्मेटिंग Format menu में उपलब्ध विकल्पों के माध्यम से की जाती है।
- ✓ चार्ट वर्कशीट डेटा का चित्रवत रुप है।
- ✓ MS- Excel में विभिन्न चार्ट के प्रकार area chart, column chart, bar chart, line chart, pie chart, XY(Scatter) chart हैं।
- ✓ MS- Excel में चार्ट दो तरीकों से सुरक्षित किए जाते हैं: (i) embedded chart (ii) chart sheet
- ✓ embedded chart एक चार्ट ऑब्जेक्ट है जो वर्कशीट पर रखा जाता है और उस वर्क शीट से सुरक्षित किया जाता है।
- ✓ चार्ट शीट वर्कबुक की वह शीट है जिसमें केवल चार्ट होता है।
- ✓ चार्ट chart wizard का उपयोग करके बनाए जाते हैं।

Powerpoint

- ✓ वह एप्लिकेशन सॉफ़्टवेयर जो व्यावसायिक रूप में visual aids बना सकता है उसे Presentation Graphics Software कहा जाता है।
- ✓ **MS-PowerPoint** को Start–Program---Microsoft PowerPoint पर क्लिक करके शुरू किया जा सकता है।
- ✓ एक स्लाइड में इनमें से एक या अधिक घटक हो सकते हैं: **Titles, Graphs, Drawing objects, ClipArt** और **Pictures**।
- ✓ संदर्भ के लिए उपयोग किए जाने वाले स्लाइड घटक **Handouts, Notes, Outlines** हैं।
- ✓ इन तरीकों में से एक के माध्यम से एक नई presentation तैयार की जा सकती है: (i) **Autocontent Wizard** (ii) **Design Templates** (iii) **Sample Presentation** और (iv) **Blank Presentation**
- ✓ एक नई स्लाइड **Formatting** टूलबार के **Common Tasks** विकल्प पर क्लिक करके और फिर New Slide विकल्प चुनकर, Insert मेनू के **New Slide** विकल्प पर क्लिक करके जोड़ी जा सकती है।
- ✓ Power Point में एक presentation निम्न में से किसी एक प्रकार से देखी जा सकती है: **Normal, Outline, Slide, Slide Sorter, Slide Show** और **Notes Page View**।
- ✓ स्लाइड पर नए डिज़ाइन को एप्लाई करने के लिए, फ़ॉर्मेटिंग टूलबार के **Common Tasks** विकल्पों के Apply Design Template विकल्प पर या फॉर्मेट मेनू के Apply Design Template विकल्प पर क्लिक करके या शॉर्टकट मेनू से कभी भी एप्लाई कर सकते हैं।
- ✓ एक कलर स्कीम टेक्स्ट और अन्य presentation elements के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न रंगों का संयोजन है।
- ✓ एक कलर स्कीम **Slide Color Scheme** विकल्प पर क्लिक करके बदली जा सकती है।
- ✓ पृष्ठभूमि के रंग को **Format----Background** कमांड पर क्लिक करके या स्लाइड के शॉर्टकट मेनू के माध्यम से भी बदला जा सकता है।
- ✓ **Format---Font command** कमांड का उपयोग करके टेक्स्ट के फ़ॉन्ट और स्टाइल बदले जा सकते हैं।
- ✓ **View---Header** और Footer विकल्प पर क्लिक करके Header और Footer की जानकारी को देखा और बदला जा सकता है।
- ✓ **slide ---shorter view** स्लाइड को छोटा रूप में देखने और उन्हें पुनर्व्यवस्थित करने के लिए उपयोगी है।
- ✓ **Movies & Sounds** कमांड का उपयोग कर मूवी (वीडियो) और ऑवाज डाली जा सकती है।

JOIN GROUP 9172872281

COMPLETE NOTES COURSE WH.No.- 9172872281 or visit website. Www.Akkugyantak.in

- ✓ स्लाइड शो बनाते समय आप **Slide Show --- Slide Transition** कमांड का उपयोग करके स्लाइड्स में transitions जोड़ सकते हैं।
- ✓ एनीमेशन जोड़ने के लिए, आप **Slide Show-----Custom** कमांड का उपयोग कर सकते हैं।

इंटरनेट

- **इंटरनेट** विश्वभर के आपस में जुड़े कंप्यूटर नेटवर्कों का एक तंत्र है जो दुनिया भर की कई करोड़ों डिवाइसों से जुड़ने के लिए मानक इंटरनेट प्रोटोकॉल सूट (TCP/IP) का प्रयोग करता है। इसे नेटवर्कों का नेटवर्क कहते हैं जिसमें लाखों निजी, सरकारी, शैक्षिक, व्यवसायिक और सरकारी नेटवर्क शामिल होते हैं।

इंटरनेट के विभिन्न उपयोग निम्नलिखित हैं:

- ✓ ई-मेल (इलेक्ट्रॉनिक मेल) के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान करना
- ✓ फाइलों और सॉफ्टवेयरों को भेजना
- ✓ वेब पर किसी भी बारे में जानकारी को ढूढ़ना
- ✓ इंटरनेट से जुड़े अन्य लोगों के साथ वास्तविक समय में बात करना (चैट)
- ✓ सरकारी, व्यक्तियों और संगठनों के डेटाबेस को सर्च करना
- ✓ प्रमुख समाचार समूहों से उपलब्ध समाचारों को पढ़ना
- ✓ दूरस्थ स्थान से एनिमेशन और पिक्चर फाइल को भेजना और प्राप्त करना
- ✓ अपनी कंपनी के उत्पाद और सेवाओं के बारे में किसी साइट पर जानकारी को संगृहित करना।

- **वर्ल्ड वाइड वेब** जिसे आमतौर पर वेब अथवा www कहा जाता है, की स्थापना **टिम बर्नर्स - ली** ने वर्ष 1989 में की थी। यह आपस में जुड़े हाइपर टेक्सट डाक्यूमेंट का एक तंत्र है जिन्हें इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। ये मल्टीमीडिया पेज हमेशा बदलते रहते हैं।
- **वेब ब्राउज़र** (जिसे प्रायः ब्राउज़र कहा जाता है) एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है जिसका प्रयोग वर्ल्ड वाइड वेब पर संसाधनों को प्राप्त करने, प्रस्तुत करने, संचारित करने में किया जाता है।

एक वेब ब्राउजर की विभिन्न विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- ✓ **मेनू बार (Menu Bar):** मेनू बार स्क्रीन के सबसे ऊपरी भाग में स्थित होता है, जहां माउस के उपयोग से पहुंच सकते हैं। काले में बने हुए एक्शन किए जा सकते हैं, जबकि ग्रे या हल्के रंग के भाग में एक्शन को नहीं किया जा सकता है।
- ✓ **टूल बार (Tool Bar):** टूल बार ब्राउज़र के ऊपरी भाग में स्थित होता है, इसमें वेब के लिए नेविगेशनल बटन होते हैं। इन बटनों के मूल कार्यों में शामिल हैं

कमांड	कार्य
Home	शुरूआती पेज को खोलना अथवा उसपर लौटना
Back	आपको पिछले पेज पर लेकर आता है
Forward	अगले पेज पर ले जाता है
Print	वर्तमान पेज को प्रिंट करता है
Stop	पेज को लोड होने से रोकता है
Reload	वर्तमान पेज को रिफ्रेश/पुनः प्रदर्शित करता है
Search	सर्च इंजन पर पहुंचता है

Subscribe to our YouTube Channel Join us Telegram Follow us on Instagram Find us on: facebook JOIN GROUP 9172872281

- **लोकेशन बार (Location Bar):** टूल बार के नीचे लोकेशन बार में, 'Location', 'GoTo', 'Adderss' स्थित होता है। आप किसी साइट का एड्रेस टाइप कर सकते हैं और साइट को खोलने के लिए **Enter** अथवा **Return** बटन टाइप कर सकते हैं।
- **स्टेटस बार (Status Bar) :** स्टेटस बार ब्राउजर विंडोज़ के सबसे नीचे स्थित होता है। आप होस्ट कंप्यूटर से संपर्क होने और टेक्सट तथा इमेज़ की डाउनलोड स्थिति पता करने के लिए वेब पेज डाउनलोड की स्थिति देख सकते हैं।
- **स्क्रॉल बार (Scroll Bar):** स्क्रॉल बार ब्राउज़र विंडो के दाएं भाग में स्थित होता है। आप माउस के कर्सर को स्लाइडर कंट्रोलर पर ले जाकर माउस पर क्लिक करके वेब पेज को ऊपर और नीचे की ओर स्क्रॉल कर सकते हैं।
- **वेबसाइट (Website)** किसी सिंगल वेब डोमेन से जारी संबंधित वेब पेजों का संकलन होती है।
- यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर, **(Uniform Resource Locater, URL)** वेबसाइट के लिए वेबपेज होता है। इनमें से कई **http (Hyper text Transfer Protocol)** से शुरू होते हैं, जिसके बाद कोलन **(:)** और दो स्लैश **(//)** होते हैं। अधिकांश वेब ब्राउजर में, वेब पेज का यूआरएल एड्रेस बार के अंदर दिखाया जाता है।
- **होम पेज, इंडेक्स पेज और मेन पेज** किसी वेबसाइट पर स्थित पेज है। किसी होम पेज से सामान्य अर्थ होता हैः
- एक **हाइपरलिंक** (Hyperlink) उस डेटा का एक लिंक होता है जिस पर रीडर उस लिंक पर क्लिक करके अथवा अपने आप पहुंचकर उस डेटा को पढ़ सकता है।
- **डाउनलोडिंग** का अर्थ किसी दूरस्थ सिस्टम से लोकल सिस्टम में डेटा को प्राप्त करने, अथवा डेटा ट्रासंफर शुरू करने से है।
- **अपलोडिंग** का अर्थ एक लोकल सिस्टम से एक दूरस्थ सिस्टम जैसे सर्वर अथवा दूसरे क्लाइंट को डेटा इस उद्देश्य से भेजना है कि क्लाइंट के पास हस्तांतरित किए जाने वाले डेटा की एक कॉपी रहे।
- एक **ईमेल अटैचमेंट** एक कंप्यूटर फाइल है जिसे एक ईमेल मैसेज के साथ भेजा जाता है। एक ईमेल मैसेज में प्राप्तकर्ता को भेजने के लिए एक से अधिक फाइल जोड़ी जा सकती है। पहली ईमेल **रे टॉमलिंसन ने 1971** में स्वयं को भेजी थी।
- ई-मेल में **कार्बन कॉपी (CC)** उन लोगों को दर्शाती है जिन्हें मुख्य रूप से दूसरों के लिए संबोधित संदेश की कॉपी प्राप्त होती है। संदेश प्राप्त करने वाले व्यक्ति को अन्य सभी संदेश प्राप्तकर्ता की सूची मिलती है।
- एक दूसरी **ब्लाइंड कार्बन कॉपी (BCC)** फील्ड गुप्त नोटिफिकेशन के लिए उपलब्ध होती है, **BCC** में सूचीबद्ध प्राप्तकर्ता को संदेश की एक प्रति प्राप्त होती है, लेकिन वह दूसरे प्राप्तकर्ता को भेजे गए संदेश (अन्य सभी **BCC** प्राप्तकर्ता सहित) में नहीं दिखती है।
- **Draft Folder** में वे संदेश होते हैं जिन्हें आपने लिखा तो होता है लेकिन उन्हें भेजना अभी शेष होता है।
- हॉटमेल, माइक्रोसॉफ्ट द्वारा दी जाने वाली एक मुफ्त ई-मेल सेवा है जिसे 1995 में एक भारतीय अमेरिकी उद्यमी सबीर भाटिया ने जैक स्मिथ के साथ जुलाई 1996 में स्थापित किया था।
- **इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस** (जिसे **आई.पी. एड्रेस** भी कहते हैं) किसी कंप्यूटर नेटवर्क में शामिल प्रत्येक डिवाइस (जैसे कंप्यूटर, प्रिंटर आदि) की पहचान हेतु एक संख्या है। यह कंप्यूटर के लिए आयडेंटीफायर का काम करती है। यह सभी कंप्यूटरों को लिए एक खास पता होती है।
- **उच्च स्तरीय डोमेनः** किसी डोमेन के प्रत्येक भाग में कुछ विशेष जानकारी होती है। पहली फील्ड में होस्ट का नाम होता है, जो किसी सिंगल कंप्यूटर अथवा संगठन की पहचान करता है। आखिरी फील्ड में उच्च स्तरीय डोमेन होता है, जो संगठन के प्रकार का वर्णन करता है और एड्रेस के साथ जुड़े मूल देश के नाम का भी वर्णन करता है।

कीबोर्ड में महत्वपूर्ण कुंजियां

Toggle Key - यह किसी कीबोर्ड पर दो विभिन्न इनपुट मोड्स के मध्य की समूह से इनपुट को टॉगल करता है।

- ✓ Caps Lock
- ✓ Num Lock
- ✓ Scroll Lock
- ✓ Insert

Subscribe to our YouTube Channel Join us on Telegram Follow us on Instagram Find us on: facebook
JOIN GROUP 9172872281

Modifier Key - कंप्यूटर में, एक कंप्यूटर कीबोर्ड पर मोडिफायर की एक विशेष की (अथवा कई बटनों का संयोजन) होती है जो साथ में दबाए जाने पर दूसरे बटन का कार्य अस्थायी रूप से बदल देती है।

- ✓ Shift
- ✓ Alt
- ✓ Ctrl
- ✓ Fn

Functional Key - किसी कंप्यूटर अथवा टर्मिनल कीबोर्ड पर एक फंक्शनल की वे कुंजियां है जिसे प्रोग्राम किया जा सकता है और जिससे ऑपरेटिंग सिस्टम कमांड, इंटरप्रिटर अथवा एप्लीकेशन प्रोग्राम निश्चित कार्य करता है। उदाहरण के लिए, **F1** से **F12** की को फंक्शनल की कहते हैं। प्रत्येक कुंजी विभिन्न कार्य करती है।

कंप्यूटर वायरस:

एक वायरस एक बाहरी नुकसानदायक प्रोग्राम है जो दूसरे सही प्रोग्रामों को प्रभावित करता है, जिसे कभी-कभी होस्ट कहा जाता है। होस्ट प्रोग्राम को नुकसान पहुंचाने के लिए, वायरस होस्ट को बदलता है जिससे उसमें वायरस कॉपी हो जाए।

बूट सेक्टर वायरस (Boot Sector Virus)**:** एक बूट सेक्टर वायरस हार्ड डिस्क के बूट रिकॉर्ड को प्रभावित करता है। यह वायरस बूट सेक्टर डेटा की रीडिंग ऐसे करता है जैसे एक सामान्य स्टार्टअप हो रहा हो।

क्लस्टर वायरस (Cluster Virus): यदि कोई प्रोग्राम किसी प्रभावित डिस्क से चलता है, तो प्रोग्राम के कारण वायरस भी रन हो जाते हैं। यह तकनीक भ्रम पैदा करती है कि डिस्क पर मौजूद हर प्रोग्राम संक्रमित हो गया है।

वॉर्म्स (Worms): वॉर्म्स एक प्रोग्राम होता है जिसका उद्देश्य स्वयं की कॉपी बनाना होता है।

बॉम्ब (Bombs): इस प्रकार के वायरस कंप्यूटर डिस्क में छिपे होते हैं और रन होने से पहले किसी खास अवसर की प्रतीक्षा करते हैं।

ट्रोजन वायरस (Trojan Virus): एक ट्रोजन वायरस एक संदिग्ध प्रोग्राम होता है जो उपयोगी होने का धोखा देता है। ट्रोजन के कारण हॉर्सेस होस्ट की डिस्क पर स्वयं की डुप्लिकेट नहीं बनाते हैं।

स्टील्थ वायरस (Stealth Virus): ये वायरस कंप्यूटर मैमोरी में सुरक्षित हो जाते हैं, और पता लगने में मुश्किल होते हैं।

माइक्रो वायरस (Micro Virus): एक माइक्रो वायरस को विशेष प्रकार की डॉक्यूमेंट फाइल जैसे माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल फाइल्स आदि को प्रभावित करने के लिए डिजाइन किया जाता है। इस प्रकार की फाइलों में मैक्रोस हो सकता है, जो कमांड देने वाले छोटे प्रोग्राम होते हैं।

आमतौर पर प्रयुक्त होने वाली कंम्प्यूटर शब्दावली

- **Abort** (निरस्त करना): किसी प्रोग्राम या फंक्शन के पूरा होने से पहले उसे समाप्त करना।
- **Algorithm:** निर्देशों का एक समूह जो किसी दी गई समस्या का समाधान प्रदान करता है।
- **Animation:** चित्रों, या फ्रेमों की एक श्रृंखला प्रदर्शित करके किए गए कार्य का सतत अनुकरण। उदाहरण के लिए, टेलीविजन पर कार्टून।
- **ANSI:** American National Standards Institute, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक शक्तिशाली उद्योग संघ, जो प्रोग्रामिंग भाषा मानकों को बढ़ावा देता है।
- **Antivirus:** एक यूटिलिटी प्रोग्राम जो हार्ड डिस्क में वायरस की जांच करता है और वायरस पाए जाने पर उसे हटाता है।
- **Architecture**: एक डिजाइन। यह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर अथवा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों के संयोजन को दर्शाता है। एक सिस्टम का आर्किटेक्चर इसकी व्यापक रूपरेखा परिभाषित करता है।
- **ASCII:** American Standard Code for Information Interchange। यह एक सात/आठ बिट का कोड होता है जिसका उपयोग कंप्यूटरों में डेटा हस्तांतरण के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।
- **Bandwidth:** वह डेटा जिसे एक निश्चित समय में प्रेषित किया जा सकता है। इसे आमतौर पर bits per second (bps) या bytes per second में व्यक्त किया जाता है।
- **Bit:** कंप्यूटर सिस्टम में जानकारी की सबसे छोटी इकाई। बिट बाइनरी अंक या तो "1" या "0" के लिए कम होता है।
- **Boot:** कंप्यूटर चालू करने की प्रक्रिया।

JOIN GROUP 9172872281

- **Byte:** एक बाइट 8 बिट के बराबर होती है। एक कैरेक्टर को स्टोर करने के लिए आवश्यक मेमोरी।
- **Cache**: प्राथमिक मेमोरी (रैम) का एक अलग स्थान जहां कंप्यूटर त्वरित पहुंच के लिए अक्सर उपयोग की जाने वाली जानकारी की एक प्रति संग्रहीत करता है। यह हार्ड डिस्क के ऑपरेशन को तेज करती है।
- **CD-ROM**: Compact Disk-Read Only Memory। यह एक स्थाई स्टोरेज डिवाइस है जिसका उपयोग बड़ी मात्रा में जानकारी संग्रहीत करने के लिए किया जाता है जिसे बदलने की आवश्यकता नहीं होती है।
- **CGA:** Color Graphics Adapter। कलर क्षमता के साथ कम-रिज़ॉल्यूशन स्क्रीन (640x200 पिक्सल)।
- **Character**: एक संख्या, अक्षर, प्रतीक, या विराम चिन्ह।
- **Chip**: सिलिकॉन का एक छोटा टुकड़ा जिसमें हजारों या लाखों वैद्युत तत्व होते हैं। इसे Integrated Circuit (IC) भी कहा जाता है।
- **Compatible**: किसी डिवाइस या प्रोग्राम की किसी अन्य डिवाइस या प्रोग्राम के साथ कार्य करने की क्षमता। उदाहरण के लिए, एक प्रिंटर और कंप्यूटर को Compatible (संगत) कहा जाता है यदि वे एक-दूसरे से जुड़े हों।
- **Conventional Memory:** कंप्यूटर में OS और एप्लिकेशन प्रारंभ करने के लिए उपयोग की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक मेमोरी (रैम) की पहली 640K मेमोरी।
- **Debug:** कंप्यूटर सिस्टम में, सॉफ्टवेयर से संबंधित समस्या को ठीक करना डीबगिंग कहलाता है।
- **Digitize**: किसी आर्टवर्क को अच्छी तरह से स्कैन करके इसे कंप्यूटर द्वारा समझे जा सकने वाले रूप में संग्रहित करना।
- **DOS**: Disk Operating System। यह एक सिंगल यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम है।
- **DVD:** Digital Versatile Disc या Digital Video Disc
- **Dynamic**: यह उन कार्यों को दर्शाता है जो आवश्यकता पड़ने पर संपन्न होते हैं ना कि पहले से।
- **EDP**: Electronic Data Processing।
- **E-Mail:** Electronic Mail। किसी कंप्यूटर नेटवर्क पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक इलेक्ट्रॉनिक संदेश भेजने की सुविधा।
- **End-User**: End-User वह व्यक्ति होता है जो उत्पाद के पूरी तरह से विकसित होने और विक्रय के बाद उसका उपयोग करता है।
- **EPROM**: Erasable Programmable Read Only Memory। एक प्रकार की रोम जिसके कवर किए गए भाग को आमतौर पर यूवी-लाइट के संपर्क में लाने पर प्रोग्राम या पुन: प्रोग्राम किया जा सकता है।
- **Extended Memory**: ऐप्लीकेशन को चलाने और प्रबंधित करने के लिए उपयोग की जाने वाली पारंपरिक मेमोरी के अलावा अतिरिक्त मेमोरी; विस्तारित मेमोरी के साथ, यह कंप्यूटर की मेमोरी में डेटा की बढ़ी हुई मात्रा बताती है।
- **Fax/Facsimile**: टेलीफोन लाइनों पर डाक्यूमेंट की प्रतियों को प्रेषित करने का माध्यम। Fax, Facaximile का संक्षिप्त नाम है।
- **Gigabyte**: संक्षिप्त नाम GB, यह 1024 MB के बराबर होता है।
- **GUI:** Graphical User Interface। एक यूजर अपने कार्य को दृश्यात्मक रूप से इंटरफ़ेस कर करता है और यह किसी आइकन पर क्लिक करने, आइकन देखने या मेनू से विकल्पों को चुनने के लिए माउस या समान पॉइंटिंग डिवाइस का उपयोग करके कार्य चयन पर आधारित है।
- **Hertz**: आवृत्ति की इकाई जिसका अर्थ है चक्कर प्रति सेकेंड।
- **High Density**: डिस्क द्वार संग्रहित की जा सकने वाली जानकारी की मात्रा। High Density disks Double Density disks की तुलना में अधिक जानकारी संग्रहित कर सकती हैं।
- **Hypertext**: जानकारी प्रस्तुत करने की एक विधि ताकि यूजर इसे गैर अनुक्रमिक तरीके से देख सकें, भले ही विषयों को मूल रूप से किसी भी तरह से व्यवस्थित किए गए हों। इलेक्ट्रॉनिक बुक्स तैयार करने के लिए यह एक फ्लेक्सिबल सॉफ्टवेयर तकनीक के रूप में विकसित हुआ है, जो खोज मानदंडों के लिए शीघ्र और नम्य पहुंच प्रदान करता है और बड़े डाक्यूमेंट की जानकारी तक त्वरित पहुंच प्रदान करता है।
- **HTML**: Hyper Text Markup Language। वेब और इंट्रानेट डाक्यूमेंटों का वर्णन करने के लिए उपयोग की जाने

JOIN GROUP 9172872281

वाली मार्कअप या स्ट्रक्चरिंग भाषा। इसका उपयोग HTML तत्वों की संरचना, उपस्थिति और प्लेसमेंट को परिभाषित करने के लिए किया जाता है, जिसमें फॉन्ट, ग्राफिक्स, टेक्स्ट, अन्य साइटों के हाइपरटेक्स्ट लिंक और कई अन्य विवरण शामिल हैं।

- **IBM**: International Business Machines, संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी।
- **Icon**: एक ग्राफिकल स्क्रीन अवयव जो माउस या किसी अन्य प्वाइंटिंग डिवाइस के माध्यम से चुने जाने पर एक या अधिक कमांड को निष्पादित करता है
- **IDE**: Integrated Device Electronics, एक कंप्यूटर पर हार्ड ड्राइव को जोड़ने के लिए उपयोग किया जाने वाला मानक। IDE हार्ड ड्राइव बहुत आम और अपेक्षाकृत सस्ती हैं।
- **Intel**: सबसे लोकप्रिय माइक्रोप्रोसेसरों या सी.पी.यू के निर्माता।
- **Intelligent**: लेजर प्रिंटर, कंप्यूटर और फोटोकॉपी तकनीक का संयोजन।
- **Internet**: दुनिया का सबसे बड़ा कंप्यूटर नेटवर्क जो वैज्ञानिक, अनुसंधान और शैक्षिक कंप्यूटरों के साथ-साथ वाणिज्यिक नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। इंटरनेट TCP/IP प्रोटोकॉल का उपयोग करता है, और इंटरनेट पर कंप्यूटर किसी भी ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे यूनिक्स, विंडोज NT और VMS आदि के कई वर्जन पर चल सकते हैं।
- **Intranet**: सामान्य अर्थ में, एक निजी कॉर्पोरेट नेटवर्क जो इंटरनेट प्रौद्योगिकी आधारित सॉफ्टवेयर और TCP/IP प्रोटोकॉल मानकों का उपयोग करता है। कई कंपनियां दुनिया भर में एक कंपनी पत्र वितरित करने के रूप में सरल कार्य और सेवा कर्मियों को तकनीकी सहायता बुलेटिन पोस्ट करने और अपडेट करने के रूप में जटिल कार्यों के लिए इंट्रानेट का उपयोग करती हैं। एक इंट्रानेट में इंटरनेट से स्थाई कनेक्शन हमेशा नहीं उपलब्ध होता है।
- **Kilobyte (K, KB)**: लगभग एक हजार अक्षर; वास्तव में 1024 बाइट्स।
- **LAN**: local area network का संक्षिप्त नाम। उन कंप्यूटरों की एक प्रणाली जो अपेक्षाकृत एक दूसरे के पास स्थित होते हैं और तार से जुड़े होती है ताकि व्यक्तिगत यूजर सहयोगात्मक रूप से सूचनाओं को संसाधित कर सकें और संसाधन साझा कर सकें; WAN के बारे में भी जानें।
- **Laptop Computer**: एक पोर्टेबल कंप्यूटर, गोद में रखने के लिए पर्याप्त छोटा, लेकिन नोटबुक कंप्यूटर से थोड़ा बड़ा।
- **LED**: Light Emitting Diode। एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जो विद्युत प्रवाहित होने पर प्रकाश उत्पन्न करता है।
- **Light Pen**: एक इनपुट डिवाइस जो यूजर को एक विशेष पैड या पेन-आधारित कंप्यूटर स्क्रीन पर लिखने या इंगित करने की अनुमति देता है जैसे पी.एल.ए।
- **Macintosh**: जी.यू.आई नियोजित मोटोरोला माइक्रोप्रोसेसर पर आधारित एक पी.सी। अस्सी के दशक के बाद से ऐप्पल मैकिंटोश उपयोग में है।
- **Macro:** एक प्रतीक, नाम, या कुंजी जो कमांड, क्रियाओं या कीस्ट्रोक की सूची का प्रतिनिधित्व करती है।
- **Math co-processor**: माइक्रोप्रोसेसर का भाग; जटिल गणना करने के लिए डिज़ाइन की गई एक चिप।
- **Megabyte (M, MB)**: लगभग दस लाख अक्षर; वास्तव में 1,048,576 बाइट्स। मेमोरी या स्टोरेज की इकाई।
- **Megahertz (MHz):** प्रॉसेसिंग स्पीड की इकाई। इसका मान जितना अधिक होगा, कंप्यूटर उतनी ही तेज काम करेगा।
- **Microprocessor:** एक कंप्यूटर के सी.पी.यू के सभी तत्वों वाली चिप।
- **MIPS:** Million Instructions Per Seconds, कंप्यूटर की स्पीड मापने की इकाई।
- **Mother Board:** कंप्यूटर का मुख्य सर्किट बोर्ड, जो कंप्यूटर के विभिन्न हिस्सों में या से विद्युत सिग्नल ले जाते हैं।
- **Multimedia:** एक कंप्यूटर सिस्टम जो टेक्स्ट, ग्राफिक्स, एनीमेशन, संगीत, आवाज और वीडियो मीडिया को जोड़ता है; एक आउटपुट डिवाइस के रूप में stereo speakers को शामिल कर सकते हैं।
- **Multiprocessing**: यह एक कंप्यूटर सिस्टम की एक ही समय पर एक से अधिक प्रक्रिया का समर्थन करने की क्षमता को सूचित करता है। इसे मल्टीटास्किंग भी कहा जाता है।
- **Nibble**: आधा बाइट अर्थात 4 बिट्स।

JOIN GROUP 9172872281

- **Non-Volatile Memory**: यह वह डेटा स्टोरेज है जो पॉवर ऑफ होने पर संग्रहित जानकारी नहीं खोता है; उदाहरण के लिए, रोम।
- **Notebook Computer**: लगभग 8½ से 11 इंच का एक पोर्टेबल कंप्यूटर, जो एक ब्रीफ़केस के अंदर रखा जा सकता है।
- **Numeric keypad**: 10 अंकों और गणितीय चिन्हों वाला कीबोर्ड का भाग जो एक जोड़ने वाली मशीन की तरह दिखता है; आमतौर पर कीबोर्ड के दाहिने तरफ होता है।
- **Office-Automation**: विभिन्न प्रकार के ऑफिस ऑपरेशन, जैसे वर्ड प्रोसेसिंग, अकाउंटिंग और ईमेल निष्पादित करने के लिए कंप्यूटर सिस्टम का उपयोग।
- **Parallel Port**: एक कंप्यूटर में लगा एक आउटलेट जिसका उपयोग डिवाइसों जैसे प्रिंटर को जोड़ने के लिए किया जाता है। एक Parallel Port तार के माध्यम से डेटा (बिट्स) भेजता है (एक दूसरे के समानांतर)।
- **Pentium**: पांचवीं पीढ़ी के माइक्रोप्रोसेसर। पेंटियम 80486 की तुलना में 2 से 3 गुना तेज होते हैं, जो माइक्रोप्रोसेसरों की चौथी पीढ़ी है।
- **Peripheral**: कंप्यूटर में बाहर से जुड़े कोई भी हार्डवेयर। उदाहरण प्रिंटर और मोडेम आदि।
- **Pixel**: "Picture Element" का संक्षिप्त रूप। एक पिक्सल कंप्यूटर द्वारा स्क्रीन पर नियंत्रित किया जा सकने वाला सबसे छोटा डॉट है।
- **Portable computer**: आमतौर पर बैटरी पर चलने वाला एक छोटा कंप्यूटर। पोर्टेबल कंप्यूटर की श्रेणियों में लैपटॉप, नोटबुक, सब-नोटबुक और पाल्मटॉप हैं।
- **Protocol**: नेटवर्किंग और संचार में, औपचारिक विनिर्देश जो डेटा संचारित करने और प्राप्त करने के दौरान प्रक्रियाओं को परिभाषित करता है। प्रोटोकॉल नेटवर्क पर प्रयुक्त होने वाले प्रारूप, समय, अनुक्रम और त्रुटियों की जांच को परिभाषित करता है।
- **Resolution**: प्रिंटेड पेज, स्क्रीन या स्कैन की गई इमेज बनाने वाले डॉट का आकार और मात्रा।
- **Runtime**: एक त्रुटि जो किसी प्रोग्राम के निष्पादन के दौरान उत्पन्न होती है।
- **Scanner**: मैन्युअल कुंजीयन के उपयोग के बिना, एक प्रिंटेड डाक्यूमेंट को कंप्यूटर की मेमोरी में डिजिटल रूप में कॉपी करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **SCSI**: Small Computer System Interface। एक हार्ड ड्राइव को कंप्यूटर से जोड़ने का एक मानक।
- **Serial Port**: मॉडेम जैसी डिवाइसों को अटैच करने के लिए कंप्यूटर पर प्रयुक्त एक आउटलेट। एक सीरियल पोर्ट एक समय में (एक श्रृंखला में) तार के माध्यम से डेटा (बिट्स) भेजता है।
- **Service Pack**: यह एक ऐसे सॉफ़्टवेयर का अपडेट वर्जन है जो बग जैसी किसी मौजूदा समस्या को हल करता है, या उत्पाद के अगले वर्जन में दिखाई देने वाले उत्पाद के इनहैंसमेंट प्रदान करता है।
- **TCP/IP**: Transmission Control Protocol / Internet Protocol संचार प्रोटोकॉल का एक समूह है जिसमें मीडिया एक्सेस, पैकेट ट्रांसपोर्ट, सेशन कम्युनिकेशन, फाइल ट्रांसफर, ई-मेल और टर्मिनल इम्यूलेशन शामिल हैं। TCP/IP कई H/W और S/W विक्रेताओं द्वारा समर्थित हैं और पी.सी से मेनफ्रेम तक कई कंप्यूटर सिस्टम पर उपलब्ध हैं।
- **Troubleshoot**: किसी समस्या के स्रोत को अलग करना और उसे ठीक करना। कंप्यूटर सिस्टम में, Troubleshoot आमतौर पर तब होता है जब समस्या हार्डवेयर से संबंधित होती है।
- **UNIX**: एक मल्टी यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम।
- **Upgrade**: एक सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर उत्पाद के पुराने वर्जन को प्रतिस्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक नया वर्जन है।
- **UPS**: Uninterruptible Power Supply। यह बिजली आपूर्ति करने वाला उपकरण है जिसमें पॉवर कट की स्थिति में कई मिनटों से कुछ घंटे तक बिजली बनाए रखने के लिए बैटरी होती है।
- **Utility**: एक प्रोग्राम जो आमतौर पर सिस्टम रिसोर्सेज के प्रबंधन से संबंधित बहुत विशिष्ट कार्य करता है।

Subscribe to our YouTube Channel
Join us on Telegram
Follow us on Instagram
Follow us on: facebook
JOIN GROUP 9172872281